कार्यालय प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय,सीहोर (म.प्र.)
दूरभाष एवं फेक्स :– (07562)224706 ई–मेलः–heggcseh@mp.gov.in
वेव. : www.ggcsehore.in/

सीहोर, दिनांक 11/11/2019

//प्रेस विज्ञप्ति//

आज दिनॉक 11..11.2019 को राष्ट्रीसय सेवा योजना एवं व्यक्तित्व विकास के संयुक्त तत्वाधन में स्वतंत्र भारत के प्रथम केन्द्रीय शिक्षा मंत्री एवं शिक्षाविद् श्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा ने मौलाना जी के जीवन और शिक्षा नीति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मौलाना अबुल कलाम द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य शिक्षा के महत्वों को समझना तथा विकास के विभिन्न आयामों को खोलने के अवसर प्रदान करना था। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजरी अग्निहोत्री ने भारत रत्न से सम्मानित मौलाना जी के देश व समाज प्रेम के साथ शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के महत्व को बताया। व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रतिमा खरे ने अबुल कलाम आजाद के जीवन एवं आर्दशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति में अंतर निहित प्रतिभाओं एवं व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहम्मद सादिक ने मौलाना जी का परिचय देते हुए कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता लाने हेतु उनके द्वारा न केवल IIT, UGC की स्थापना की गई बल्कि संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी एवं ललित कला अकादमी की भी स्थापना की गई। आज भारत की शिक्षा नीति उनके ही विचारों पर अग्रसर है। डॉ. नीता मिश्रा ने कहा कि अबुल कलाम आजाद भारत की गंगा जमुना तहज़ीब को मानने वाले थे। वे कलम के सिपाही थे तथा उन्होने निशुल्क शिक्षा नीति को अपनाया। इस संगोष्ठी में कु. हीरामणी वर्मा, शालिनी करोपे, सितारा ककड़िया, मोनिका वर्मा, पूजा वर्मा आदि ने भी मौलाना जी के जीवन पर एवं शिक्षा नीति पर अपने विचार व्यक्त किये। सम्पूर्ण कार्यक्रम रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजरी अग्निहोत्री एवं स्वंय सेवक प्रिया धाड़ी, मेघा झवर, सितारा, महिमा सोनी आदि का विशेष सहयोग रहा इसके साथ ही महाविद्यालय में मौलाना अबुल कलाम आजाद एवं उनकी शिक्षा नीति विषय पर निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय सेवा योजना

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय सेवा योजना

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय सेवा योजना